

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2009

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

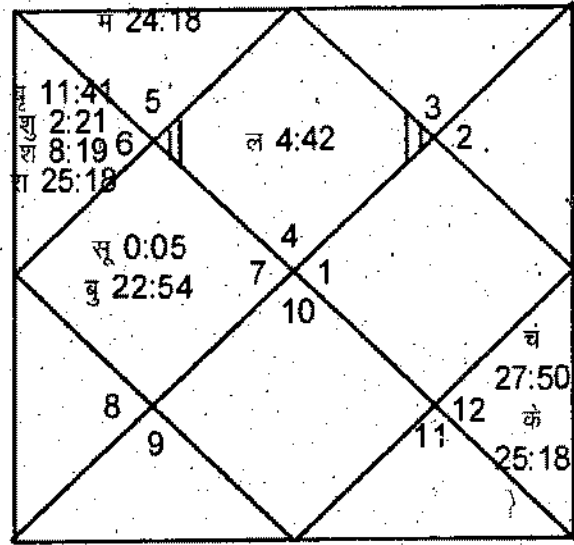
- किन्हीं दो के उत्तर दें :-
अ) जैमिनीय एवं पराशरी कारको के अंतर समझाइए।
ब) जातक के व्यवसाय निर्णय में कारकाश का प्रयोग।
स) जैमिनीय चर दशा और पराशरी विंशोत्तरी दशाओं के अंतर बताएं।
- निम्न महिला जातक की चर दशा की गणना करें और किसी एक प्रश्न का उत्तर दें।
अ) जातिका भारत में है या विदेश में?
ब) जातिका का विवाह हुई हो तो कब संभव है? बताएं।
जन्म तिथि : 6.12.1967 जन्म समय : 02.00 घंटे
जन्म स्थान : चक्रधारपुर, महिला, चन्द्रमा की भोग्य दशा 5.11.14

श(व) 12:15	रा 3:26		
च 15:24 म 9:42			बृ 12:00
	सू 19:37 बु 7:2	शु 4:52 के 3:26	ल 22:06

शु 4:52 के 3:26	बृ 12:00
सू 19:37 बु 7:2	ल 22:06
च 15:24 म 9:42	श(व) 12:15
	रा 3:26

- जैमिनी ज्योतिष के अनुसार दारा कारक, दारा पद एवं उपपद किसी जातक की वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालने में उपयोगी हैं। उदाहरण सहित पुष्टि करें।
- विवेचना करें :-
अ) कारकाश लग्न और उससे पंचम भाव
ब) आरूढ पद एवं धनार्जन
स) जैमिनीय योग
- जैमिनीय सिद्धांतों के आधार पर निम्न जातक की आयुर्दाय निकालें।
जन्म तिथि : 16.10.1921, जन्म समय : 23.53 घंटे,
जन्म स्थान : दिल्ली, पुरुष, बुध की भोग्य दशा : 2 वर्ष 9 मा 4 दि

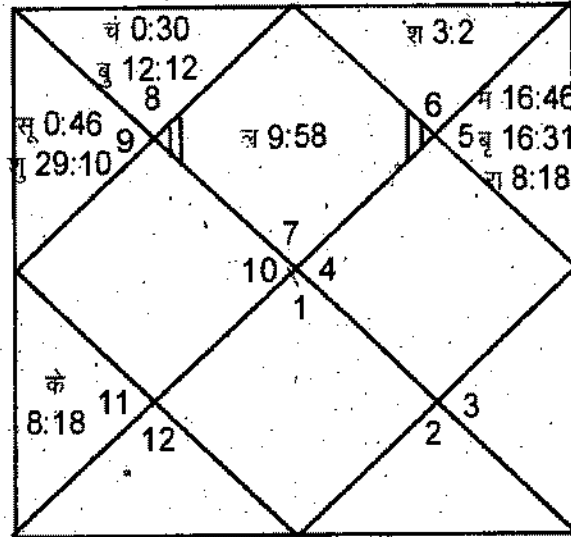
च 27:50 के 25:18			
			ल 4:42
			म 24:18
		सू 0:05 बु 22:54	बृ 11:41 शु 2:21 श 8:19 रा 25:18



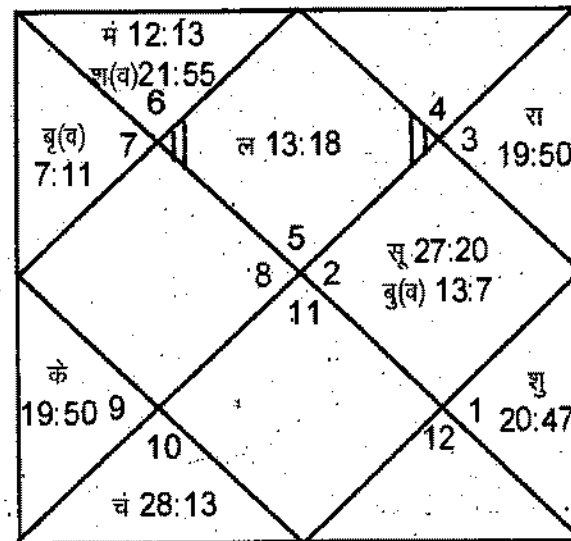
भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. निम्न कुण्डलियों का मेलापक कीजिए :-

के 8:18	पुरुष 17-12-1979 3-15 घंटे दिल्ली		
	गुरु की भोग्य दशा 3व 4मा 26दिन		म 16:46 बृ 16:31 रा 8:18
सू 0:46 शु 29:10	च 0:30 बु 12:12	ल 9:58	श 3:2



	शु 20:47	सू 27:20 बु(व) 13:7	रा 19:50
	स्त्री 12-6-1982 11.15 घंटे दिल्ली		
च 28:13	मंगल की भोग्य दशा 4व 5मा 9दिन		ल 13:18
के 19:50		बृ(व) 7:11	म 12:13 श(व) 21:55



7. किसी जातक की विवाह काल निर्णय कैसे करेंगे? प्रश्न 6 में दी गई जातक-जातिकाओं की विवाह समय निकालें।
8. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
- अ) कुज दोष का अपवाद
- आ) बहु-विवाह योग

- इ) पीडित सप्तम भाव के वैवाहिक जीवन
 ई) सप्तमेश का लग्न या सप्तम भाव में होने का फल
 उ) जातक-जातिकाओं के एक ही जन्म नक्षत्र होने का फल

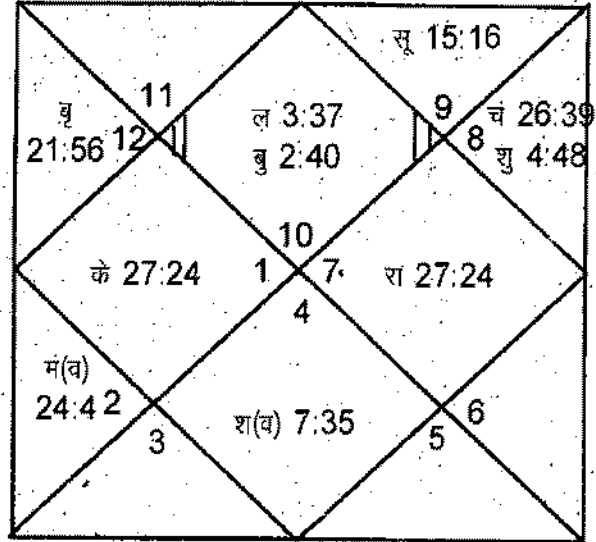
9.

निम्न जातिका की वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालें।

जन्म दिन : 31.12.1975, जन्म समय : प्रातः 8:30

जन्म स्थान : दिल्ली : बुध की भोग्य दशा 4.3.2 दि

बृ 21:56	के 27:24	मं(व) 24:4	
			श(व) 7:35
ल 3:37 बु 2:40			
सू 15:16	च 26:39 शु 4:48	रा 27:24	



10. सप्तम भाव में बारह-भावेशों के होने का सामान्य फल पर चर्चा करें।